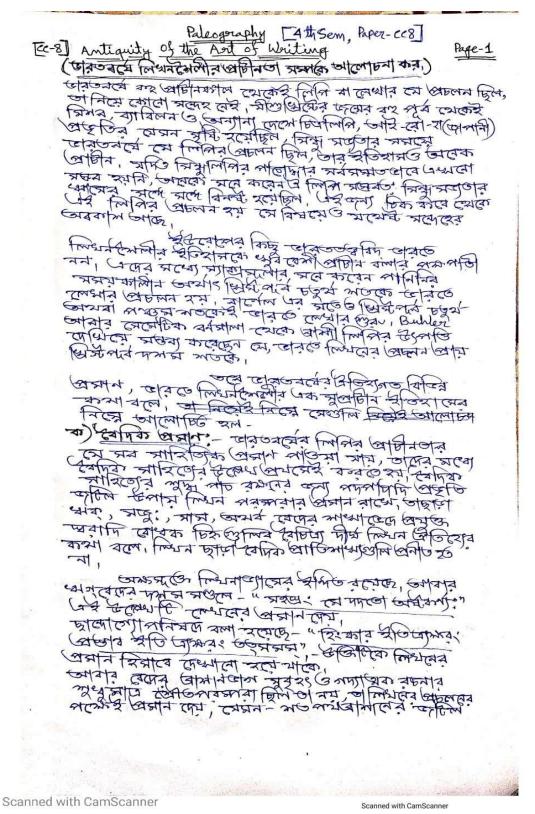
## COMPILED AND CIRCULATED BY SUBHRANIL MANNA DEPARTMENT OFSANSKRIT, HIJLI COLLEGE.





SANSKRIT: PAPER -CC8T (INDIAN EPIGRAPHY, PALEOGRAPHY AND CHRONOLOGY), SECTION-B PALEOGRAPHY

## COMPILED AND CIRCULATED BY SUBHRANIL MANNA DEPARTMENT OFSANSKRIT, HIJLI COLLEGE.



Page-2 अभिनिका चित्रांव लिथात्व अक्रमन ना आकाल त्रस्व २७ ता. था) त्वमाद्भव श्रिम्नान - () त्वमाद्भव मह्ना काल्य महिन, भूल माद्य पर्वा व्यापित त्यमव भारतिक विद्यान सिना मीम, नियत समीमवानियात किरायकालीय सिम्पिक अर्थेमार्थ हर्मित्र मित्र वार्म 11) मिल्पाव निकाल निकाल निकास निकास निकास निकास निकास अरे न द्वा का लिया त्यक व्यनुस्त कारो मार्गे, भाष्युव निर्वहत्त्र या शि ज्यालिक रे जिशास्त्रव थावा भव अकिन प्रयर प्रमुल जोस्तिक विराय खायल ट्यां विविद्याक जानीवापिट नाटव नी, (ii) आर्थान क्रिक स्मित्री क्रिक क्रिका क्रिक विनाजियात नार्व ज्ञान, ब्राम्यामी-व युक्तिशृत विक्रान्त्रकार (v) आनिमीय यागम्बद्ध (अकि म्हाट्स (8/2/8) " मयनम् । 3 " यवनानी" अर पूरि अंडिया यात्र प्रवः आमिनितं प्र यात्र यात्राधिका एवं क्रिक्सिंग , त्राया व्याप्तिभी सं, त्रार अंदिम् हिल, ज निर्मे वहार नमानी लिले?"— अमेल बलाइन, ज्यार लिधानकलीन जार्ल के जामार्गएन अविष्म हिल, ज निर्मे व वहा बला जाम् v) आभिन्तीय भिक्राम् प्लिलिल अविकाखा अविकातिय वास उद्धि " পুরি প্রার্থী পির: ক্রম্মী ভ্রমা লিখিত প্রতিক: अ) ब्रीक्षिकिट किलायकामां क्षेत्राप: - अवित आणि स्थाका लियां अहालत्व कार्याच लाई लाई तम् के प्राण्टि (यह खारक वहाँ मानि ता वि कानु भाषा किसे । क्षानी रहाँ — खारक वहाँ मानि कानु कानु कानी कानी कानी रहाँ — 1) विनय लिएक लिधन हमाली व विभान करत कि मुख ं।) · विक्र्यू लाम्किन " उम विक्र्यूनी लाम्किन "आर्क दल्प रेट्सिन्ह, ल्लाक्षेत्र दिखारा छाट्य, ।) क्रांच्या वाक्रिक्ष अ नवकारी क्रिक्रिय दिल्ला आह. (ग) रिशाम मः पुरुष्व अने लालिक किस्तु ए हि लिलिव दिल्लध ज्याका, में) देवनाथर्द लिस्पनकलानं ख्रिमानः - देवन दम्मनामित्रं प्राधितं (अम्लि क्राल ७०० शिर्म भर्त) वित्वं प्राचार ब्लायाना मर्दा (अम्लि क्राल ५८५ शिर्म अर्द) स्नायां ब्लायां ब्लायां क्रायां क्र कि विश्वविद्यं अन्मिन्व मिली बिम्मीय दिक्षत करें वला न्या वर्षेत्र लिहित " क्रिक्ट जानम २५ कि अंत्रक अंत्रक वर्षात्मित किल्ला अदि Scanned with CamScanner Scanned with CamScanne

SANSKRIT: PAPER —CC8T (INDIAN EPIGRAPHY, PALEOGRAPHY AND CHRONOLOGY), SECTION-B PALEOGRAPHY

CS

## COMPILED AND CIRCULATED BY SUBHRANIL MANNA DEPARTMENT OFSANSKRIT, HIJLI COLLEGE.



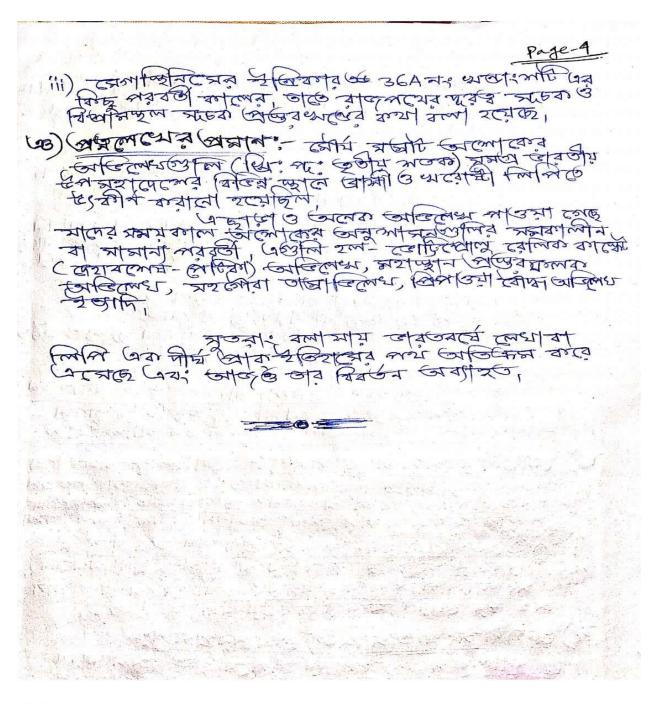
Page -3	
(y) जापि न्नर्गाना खाना : ) ज्यान क्रिक खार्चित प्रिट नरका	
मालाकि वीजीयने वीज वीज वीच अर्थिलिं दिल्याले	120
(1) Me 23/4/(2) Lund, Cural, C	K
गाम न्याकावाद्व किया कर्म मार्च प्रक्र लिया कर्	
कार्य क्षित्रका कार्क थिया क्षित्रक अवस्थित क्षित्रक क्षत्रक क्षित्रक क्षित्रक क्षित्रक क्षित्रक क्षित्रक क्षित्रक क्षत्रक क्षत्र	
क्षित्र द्वार्था प्रदेशक क्षित्र क्षेत्र क्षे	
" सहीए, स्मिलाट: देकि: न्याश्चिम्सिक् क्रीटिसं, प्रामा के द्यामान देव वर्षमा उट्यंटि – प्रिया के द्यामान देव वर्षमा स्मिटिं।	
(v) त्यथालिय अनुस्कृतिय मिकाय एका पिटाएर्न - असि । स्विधि अनुस्कृतिय मिकाय एका पिटाएर्न -	W. W. STRANDS
हें) कि किने जर्म मास अमान कि निष्णु के वर्ग मास किने के किने किने किने किने किने किने क	1000
(i) भारतिय ज्ञानिका भारति ज्ञानिका अस्टिन प्राप्ति । - अस्तिमात् ज्ञाल केन्द्री किरिये ज्ञानिका अस्टिन प्राप्ति ।	
AT TO COLOR TO TO THE TOTAL TO	
क्रिक्षी म्र कृष्ठ मारिष्ठ ल्लाय त्रम्भानः — हो क्रिक्षां म लिलिखात् केल्यानिक किमा थाउँ न क्रिक्स मा मुक्त करवाहन - 6 लिल्प्स न्यावम्य स्थान विकास माने मुक्तिक महीप मिलिक्शे	
(i) नार माना वर्ष काम माना क्रिका के नाम के क्षिण के क्षेत्र का क्षिण के क्षेत्र का क्षिण के क्षेत्र का क्षिण के क्षेत्र का का क्षेत्र का क्षेत्र का क्षेत्र का क्षेत्र का क्षेत्र का का का का क्षेत्र का	
का दिवस्त्रिक व्यापन कर विस्ति दिवस्ति के व्यापन	1000
ा) कारण कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य किया कार्य कार्	The second second
Scanned with CamScanner Scanned with CamScanner	

SANSKRIT: PAPER -CC8T (INDIAN EPIGRAPHY, PALEOGRAPHY AND CHRONOLOGY), SECTION-B **PALEOGRAPHY** 

Scanned with CamScanner

## COMPILED AND CIRCULATED BY SUBHRANIL MANNA DEPARTMENT OFSANSKRIT, HIJLI COLLEGE.





CS Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

SANSKRIT: PAPER -CC8T (INDIAN EPIGRAPHY, PALEOGRAPHY AND CHRONOLOGY), SECTION-B PALEOGRAPHY